आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–20 जून 2024 **सान्ध्य समाचार**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे लोगों की समस्यायें सुनीं। श्री योगी ने प्रत्येक पीड़ितों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समय–सीमा के अंदर समाधान के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पीड़ितों को समय सीमा के अंदर न्याय मिले। किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दर्शन में पुलिस की प्रताड़ना से सम्बंधित शिकायत को मुख्यमंत्री ने गम्भीरता से लिया। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के प्रति पुलिस संवेदनशील रहे और स्थानीय स्तर पर ही सुनवाई सुनिश्चित होती रहे। वहीं उपचार के लिए आर्थिक सहायता के प्रार्थना पत्र भी आए, जिस पर मुख्यमंत्री ने कार्रवाई कर मरीजों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जमीन पर कब्जे की शिकायत को लेकर आए पीड़ितों को भी श्री योगी ने आश्वस्त किया कि कहीं भी ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जमीन कब्जा की शिकायत पर सख्ती बरतते हुए इस पर अंकुश लगाया जाए। वहीं युवाओं ने भी अपनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया, जिस पर उन्होंने, उन्हें त्वरित निस्तारण किये जाने का आश्वासन दिया।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की प्रत्येक परिवार इकाई को जारी की जा रही परिवार आईडी प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ सभी परिवारों को उपलब्ध कराए जाने के संबंध में दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर परिवार को सरकार की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक परिवार के न्यूनतम एक सदस्य को रोजगार–सेवायोजन से जोड़ने के संकल्प के क्रम में प्रदेश मे परिवार आईडी जारी की जा रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में निवासरत लगभग तीन करोड़ साठ लाख परिवार के पन्द्रह करोड़ सात लाख लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ पा रहे हैं। इन परिवारों की राशनकार्ड संख्या ही परिवार आईडी है। जबकि एक लाख से अधिक गैर राशन कार्ड धारकों को परिवार आईडी जारी की जा चुकी है। ऐसे परिवार जो कि राशन कार्ड धारक नहीं है, उनके लिए familyid.up.gov.in पर पंजीयन कर परिवार आईडी प्राप्त करने की व्यवस्था है। श्री योगी ने कहा कि इस योजना का अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार किया जाए। प्रदेश का कोई भी परिवार इससे वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि एक परिवार–एक पहचान योजना के तहत प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट पहचान जारी किया जा रहा है, जिससे राज्य की परिवार इकाइयों का एक व्यापक डेटाबेस स्थापित होगा। यह डेटाबेस लाभार्थीपरक योजनाओं के बेहतर प्रबंधन, समयबद्ध लक्ष्यीकरण, पारदर्शी संचालन एवं योजना का शत–प्रतिशत लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने और आम जनता को सरकारी सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था के सरलीकरण में सहायक होगा। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से संचालित छिहत्तर योजनाओं, सेवाओं को फैमिली आईडी से लिंक किया जा चुका है।

****

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर कल आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। सभी सरकारी विभागों, विश्वविद्यालय और स्कूल–कॉलेज के अलावा निजी संस्थानों की ओर से भी योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। अलग–अलग जिलों में केन्द्रीय और राज्य मंत्री प्रमुख कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। मथुरा में कल सुबह छः बजे भारतीय सैनिकों के स्ट्राइक कोर–वन में योग कार्यक्रम होगा, जिसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शामिल होंगे। वाराणसी में नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा, कौशाम्बी में कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बरेली में राज्य मंत्री अरूण कुमार सक्सेना, चित्रकूट में धर्मेन्द्र प्रजापति और गोरखपुर में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में कल भव्य आयोजन के निर्देश दिये हैं।

****

प्रदेश सरकार ने वर्ष दो हजार सत्ताइस तक उत्तर प्रदेश को मलेरिया मुक्त करने का संकल्प लिया है। सरकार की ओर से मलेरिया के हर केस की जांच और हर मरीज के पूर्ण इलाज पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जून को मलेरियारोधी माह के तौर पर मनाया जा रहा है। प्रदेश में इस साल अब तक सात सौ इकहत्तर मलेरिया के मरीज मिले हैं। राज्य मलेरिया अधिकारी डॉ. विकास सिंघल ने बताया कि मलेरिया मामलों की रिपोर्टिंग और पूर्ण उपचार सुनिश्चित करने पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। वास्तव में यह सुनिश्चित करने के लिए हर मामले की जांच और पूरा इलाज किया जाता है। सभी जिला मलेरिया अधिकारियों, संबंधित कर्मचारियों और प्रथम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है और सभी जिलों मे मलेरिया की जांच के लिए रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट उपलब्ध कराई गई है।

****